सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वास्तु दोष दुर करता है। मोर पंख पेज: 7

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की..... पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 348 | सोमवार 30 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

क्या है ट्रंप का प्लान

इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका युद्ध रोकने को लेकर बैठक

धमाकों से दहला ईरान, पाकिस्तान में बैठकों का दौर

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच युद्ध रोकने के लिए कूटनीति प्रयास तेजी से जारी है। इसी कड़ी में रविवार को तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की दो-दिवसीय बैठक इस्लामाबाद में शुरू हुई। अधिकारी इसे अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत शुरू करने की दिशा में अब तक का सबसे सफल प्रयास बता रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

पाकिस्तान में बैठक से कुछ घंटे पहले, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ 90 मिनट तक फोन पर बातचीत की। पिछले पांच दिनों में ईरानी नेता के साथ यह उनकी दूसरी बातचीत थी। अधिकारियों के अनुसार, इस बातचीत का मुख्य जोर तनाव कम करने और दोनों पक्षों के बीच विश्वास को फिर से मजबूत करने पर है।जानकारी के अनुसार पेजेशकियन ने शरीफ से कहा कि अमेरिका के साथ पिछली परमाणु वाताओं के दौरान ईरान पर दो बार हमला किया गया था। उन्होंने कहा कि यह विरोधाभास है। एक तरफ बातचीत और दूसरी तरफ हमले ने वाशिंगटन के इरादों को लेकर ईरान के संदेह को और गहरा कर दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेहरान की ओर से सीधी बातचीत पर विचार करने से पहले, विश्वास-बहाली के उपायों की आवश्यकता है। रियाद के बाद इस्लामाबाद में हो रही बैठक मालूम हो कि इस्लामाबाद में हो रही यह बैठक अचानक तय नहीं की गई है। यह उसी प्रयास का ही एक विकसित रूप है। जिस पर इस महीने की शुरूआत में रियाद में मुस्लिम और अरब देशों की एक बड़ी

बैठक के दौरान पहली बार चर्चा की गई थी। वह प्रयास अब चार देशों के एक कूटनीतिक रास्ते के रूप में मजबूत हो गया है। जिसमें पाकिस्तान, ईरान और अमेरिका के बीच मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। मूल रूप से इस बैठक को तुर्की की राजधानी अंकारा में आयोजित करने की योजना थी, लेकिन वाशिंगटन और तेहरान के बीच संदेशों के आदान-प्रदान में पाकिस्तान की बढ़ती सक्रिय भूमिका के कारण इसे इस्लामाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके साथ ही, चीन ने पाकिस्तान के मध्यस्थता प्रयासों के लिए तेहरान को अपना समर्थन दिया है। ईरान को इस कूटनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह इस बात का संकेत है कि वैश्विक शक्तियां अब इस क्षेत्रीय पहल के समर्थन में एकजुट होने लगी हैं।क्या चाहता है तेहरान ?

चार देशों की इस बैठक में ईरान की प्रतिक्रिया की समीक्षा करने और वाशिंगटन को वापस भेजे जाने वाले संदेशों में तालमेल बिठाने की उम्मीद है। इस प्रक्रिया से परिचित अधिकारियों के अनुसार, ईरान पहले ही इस्लामाबाद के जरिए अमेरिकी प्रस्ताव का अपना जवाब भेज चुका है। तेहरान की मांगों में युद्ध समाप्त करना, नुकसान के लिए मुआवजा, भविष्य के हमलों के खिलाफ गारंटी और होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने रणनीतिक प्रभाव को मान्यता देना शामिल है।

बैठक का एजेंडा क्या ?

शरीफ के साथ अपनी बातचीत के दौरान, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने चेतावनी दी कि इजराइल इस संघर्ष को क्षेत्र के अन्य देशों तक फैलाने की कोशिश कर रहा है।

ईरान पर हमलों के लिए विदेशी धरती के इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की। वहीं इस्लामाबाद का नजरिया यह है कि कोई भी बातचीत आपसी सम्मान के माहौल में होनी चाहिए, और ईरानी अधिकारियों और नागरिकों की हत्याएं बंद होनी चाहिए।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

पटना के दलदली रोड में भीषण अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग, फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में शनिवार देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया।हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2022 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

-दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

-आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने

कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो।

कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

बीजेपी के निशिकांत दुबे ने मुस्लिमों और ईसाइयों से विवाह करने वाली आदिवासी युवतियों का अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की मांग की। बीजेपी के ही चन्दूभाई छगनभाई शिहोरा ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर इलाके के नमक किसानों को बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने और उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सपा के आनंद भदौरिया ने यूपी में शहीदों और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किये जाने का मुद्दा उठाया और इसके दोषियों को सजा देने की मांग की। कांग्रेस के डॉ. प्रशांत यादव राव पडोले ने 2027 की जनगणना के लिए तय प्रारूप के कॉलम में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने की मांग की।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे

मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहाँ से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब 1 करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुँच सकेगा।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

-ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई, (एजेंसी)। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया। वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

ललित गर्ग

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है।

लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की ह्यकाली भेड़ोंह्न ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हरेरोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

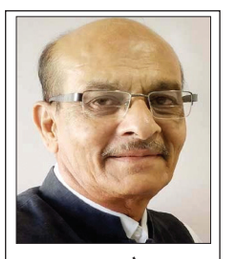

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईनाह्न राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्लआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्न वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्लऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति ह्लधोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्न जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

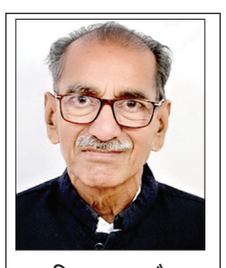

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगद्दष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कब्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युद्,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

मैत्री क्रिकेट मैच में जुबिलेंट इलेवन ने कब्जाई ट्राफी,आरएसीएल को छह ओवर में छह रनों से दी शिकस्त

विश्व क्षय रोग दिवस पर हुआ था चार दिवसीय आयोजन,गजरौला की औद्योगिक इकाइयों ने किया था प्रतिभाग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व क्षय रोग दिवस पर आयोजित चार दिवसीय मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल में जुबिलेंट इलेवन की टीम ने आरएसीएल की टीम को छह रनों से शिकस्त देकर विजय हासिल कर ली। जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के साइड हेड विनोद झा ने विजेता और रनरअप टीमों को ट्राफी प्रदान कीं। बता दें कि शुक्रवार की देर शाम जुबिलेंट की फर्स्ट कालोनी में स्थित खेल मैदान में आयोजित मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल का शुभारंभ जुबिलेंट में साइट हेड विनोद झा ने टॉस उछालकर किया। आरएसीएल की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। इस टीम के खिलाड़ी सुरेश ने पहले ओवर में ही छक्का लगाकर खाता खोला लेकिन अगली ही गेंद पर कैच आउट हो गए। आरएसीएल के स्टार बल्लेबाज और दो दिनों से लगातार मैन ऑफ दि मैच रहे वैभव भी दूसरे ही ओवर में पवेलियन लौट आए। आरएसीएल की टीम इस सदमे से उबरी भी नहीं थी कि अन्य खिलाड़ियों के बाद टीम के कप्तान नवनीत शर्मा भी एक सिक्सर लगाने के बाद अगली ही बॉल में आउट हो गए। लगातार एक के बाद एक खिलाड़ियों का विकेट गिरने से टीम की गति थम गई और पूरी टीम निर्धारित दस ओवर में मात्र 87 रनों पर ही सिमट गई। जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी जुबिलेंट इलेवन की टीम आते ही मैदान में छा गई। अपनी धुआंधार बैटिंग की बदौलत टीम ने पांच ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर रनों का स्कोर खड़ा कर जीत का मार्ग प्रशस्त कर लिया और छह ओवर में ही 93 रन बना कर विजय प्राप्त कर ली। गौरव ने 24 रन, प्रतीक ने 14 एवं नवीन ने छह रनों का योगदान दिया। जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा ने जुबिलेंट इलेवन की विनर टीम के कप्तान डा.सुजिंदर फोगाट एवं आरएसीएल की रनरअप टीम के कप्तान नवनीत शर्मा के साथ ही 39 रन बनाकर मैन ऑफ दि मैच रहे विनर टीम के खिलाड़ी मनदीप सिंह को ट्राफी देकर सम्मानित किया। मैच के कप्तान विष्णु त्रिपाठी एवं संजीव वर्मा रहे। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य,पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, खेल, वृद्ध एवं दिव्यांगजनों की सेवा आदि सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय रहती है।

महिलाओं के साथ अपराध नहीं होगा बर्दाश्त

महिला पुलिसकर्मीयों ने गांव-गांव जाकर महिलाओं को दिलाया भरोसा

नौगांवा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। योगी आदित्यनाथ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अब महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अमरोहा जनपद के नौगांवा सादात कोतवाली में तैनात महिला पुलिसकर्मी ममता राजपूत, स्वाति व मुनीषा यादव ने क्षेत्र के जब्दा,पंजूसराय,शेखूपुर माफी सहित अन्य गांव गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पुलिस ने साफ संदेश दिया कि महिलाओं के साथ किसी भी तरह का अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें सीधे जेल की हवा खानी पड़ेगी।महिला पुलिस टीम ने स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं और छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर, कानून और सुरक्षा उपायों के बारे में बताया। साथ ही, उन्हें किसी भी घटना की तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया।

हसनपुर क्षेत्र में शादी समारोह में लेगपीस को लेकर मारपीट,जमकर चलीं कुर्सियां

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में एक शादी समारोह में लेगपीस को लेकर जमकर मारपीट हो गई इस दौरान घराती और बारातियों में जमकर कुर्सियां चल गई ,इतना ही नहीं जब कुर्सियों से बात नहीं बनी तो लोगों ने पानी से भरे वाटर कूलर को उठाकर एक दूसरे पर मारना शुरू कर दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है।

बता दें कि शनिवार की देर शाम आयोजित शादी समारोह में गांव हैबतपुर बंजारा से आयी बारात शामिल थी, खाना परोसने के दौरान बारातियों और घरातियों के बीच कहासुनी हुई जो कुछ देर में मारपीट में तब्दील हो गई, गुस्साए लोगों ने एक दूसरे पर कुर्सियां फेकनी शुरू कर दी और जमकर हाथापाई भी हुई, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। इस दौरान कुछ लोग पानी के वाटर कूलरों से भी एक दूसरे पर हमला करने के लिए पीछे दौड़ते नजर आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पहचान शुरू कर दी है और मामले की जांच पड़ताल जारी है। इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक शनिवार की शाम हैबतपुर बंजारा से एक बारात हसनपुर नगर स्थित बैंकट हॉल में आई थी, शादी समारोह में सब कुछ सामान्य चल रहा था लेकिन शाम के समय भोजन के दौरान बिरयानी में लेग पीस को लेकर बारातियों और घरातियों के बीच कहासुनी हो गई। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में इतना बढ़ गया कि पूरा बैंकट हॉल मानो एक जंग का मैदान बन गया हो। इस दौरान गुस्साए लोगों ने एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकनी शुरू कर दी इतना ही नहीं बल्कि जब कुर्सियों से बात नहीं बनी तो लोगों ने वहां रखे पानी के वाटर कूलरों से एक दूसरे पर हमला करना शुरू कर दिया, देखते ही देखते खुशी का माहौल पूरी तरह जंग का मैदान बन गया हालत बेकाबू हो गया और बैंकट हॉल में बुरी तरह भगदड़ मच गई।

महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग अपनी जान बचाने के लिए इधर से उधर भागते नजर आए, वहीं कुछ लोग खुद को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश करते दिखाई दिए। जबकि कई लोग हंगामा को शांत करने की कोशिश में भी जुटे रहे लेकिन भीड़ के सामने किसी की एक ना चली। इस घटना से क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं, लोग इस बात को लेकर हैरानी जता रहे हैं कि मामूली बात कैसे इतने बड़े बावल का कारण बन गई। उधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और किसी तरह हालातो को काबू में किया और पूरे घटनाक्रम की जांच में जुट गई। इस मामले में हसनपुर कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही अम्ल में लाई जाएगी।

हाईवे 9 पर डंपर ने ईंटों से भरे ट्रैक्टर-ट्राली को मारी टक्कर

सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत, अन्य दो लोग घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नेशनल हाईवे 9 पर रविवार को एक तेज रफ्तार डंपर ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली को जोरदार टक्कर मार दी जिससे ट्रैक्टर ट्राली में भरी ईंटें सड़क पर बिखर गईं ,उधर सड़क पर बिखरी पड़ी ईंटों पर एक बाइक सवार फिसल कर गिर गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, बताया जा रहा है कि इस हादसे में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है और मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है।

बता दें कि यह हादसा रविवार की सुबह नेशनल हाईवे 9 पर आईएमएस कॉलेज के पास हुआ। मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार संभल जिले से ईंटें लादकर गढ़ की ओर जा रही एक ट्रैक्टर ट्राली को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी ,टक्कर इतनी भीषण थी कि ईंटें हाईवे पर बिखर गई। इस दौरान सड़क पर बिखरी ईंटों के कारण एक बाइक सवार गोविंद पुत्र कृपाल निवासी गांव शोहरका (30) फिसल कर गिर गया जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार खूबचंद और डंपर चालक गुड्डू पुत्र रामनाथ निवासी बरतौरा, थाना रहरा भी इस हादसे में घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ का जमावड़ा लग गया वहीं सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया और हाईवे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवा कर यातायात को सुचारू किया। वहीं पुलिस ने मृतक गोविंदा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुटी है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्राप्त निदेशों के क्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जनपद में जनपद के गाँधी सभागार अमरोहा में शनिवार को आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर जनपद स्तरीय अधिकारी/कर्मचारी व आपदा मित्र एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के भूमिका पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शानुसार प्रभारी अधिकारी आपदा की अध्यक्षता में जनपद के गाँधी सभागार में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (क्पेंजमत त्पे त्मकनबजपवद) विषय पर एक दिवसीय वृहद जनपद स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों सहित जनपद के आपदा मित्रों एवं जनपद के विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर्स एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी अधिकारी आपदा शशि भूषण पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि आपदाएं अनपेक्षित होती हैं, लेकिन यदि हम पूर्व में ही जागरूक और प्रशिक्षित हों, तो जन-धन की हानि को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सकता है। उन्होंने विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत करते हुए बचाव के वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने पर जोर दिया, साथ ही उन्होंनें घरेलू महिलाओं को आम जीवन में घटित होने वाली आपदाओं के प्रति जागरूक रहने का संदेष दिया। प्रशिक्षण के दौरान जिला आपदा विशेषज्ञ पवन कुमार शुक्ला कार्यक्रम का संचालन करते हुए जनपद की भौगोलिक स्थिति के अनुसार आपदाओं के प्रकार, संवेदनशीलता और राहत कार्यों के सरकारी मानकों पर विस्तृत चर्चा के साथ ही आगामी आने वाले गर्म दिनों में बरतने वाली सावधानियों के विशय में चर्चा करते हुए लू-प्रबंधन एवं विभिन्न आपदाओं संबंधी क्या करें और क्या न करें के बारे में जानकारी दी। आपदा विशेषज्ञ द्वारा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित विभिन्न आपदाओं बाढ़, आग, भूकम्प, शीतलहर, लू-प्रकोप, सर्पदंष, डूबना, आकाशीय बिजली, आदि आपदाओं से बचाव एवं आपदा प्रबंधन तंत्र तथा आपदा के पूर्व दौरान एवं बाद के स्थिति के बिशय में जानकारी देते हुए उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को प्रस्तुति करण के माध्यम से प्रषिक्षित किया गया।

जिला अग्निषमन अधिकारी ओमकार तोमर द्वारा अग्निकाण्ड से बचाव एवं घरेलु सिलेण्डर में लगी आग से बचाव हेतु विस्तृत रूप से चर्चा कर आग जैसी आपदा जोखिम प्रबंधन में महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर महिलाएं कैसे एक प्रभावी फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका निभा सकती हैं। प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (प्म्ब्) सामग्री का वितरण किया गया साथ ही, प्रशिक्षण स्थल में आपदा प्रबंधन से संबंधित लघु फिल्मों और वीडियो का प्रदर्शन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को आपदाओं के दौरान क्या करें और क्या न करें की स्पष्ट समझ विकसित हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित जनपद के आपदा मित्रों को प्रशिक्षित करते हुए प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट शैलेन्द्र शर्मा एवं सहायक भूलेख अधिकारी अनुज सिंघल द्वारा उपस्थित आपदा मित्रों को टी शर्ट लोवर प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया, जिसमें सभी ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेन्षनर्स एसोसिऐसन उत्तर प्रदेष के अध्यक्ष अनुप सिंह पैसल एवं शिवेन्द्र सिंह चिकारा द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारी एवं जिला प्रशासन का उक्त प्रषिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करने हेतु धन्यवाद किया गया जिसमें जिसमें आपदाओं के प्रति शून्य सहनशीलता (मंतव ज्वसमतंदबम) की नीति पर काम करने का संकल्प लिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रभारी अधिकारी आपदा, अग्नि षमन अधिकारी, एवं आपदा प्रबंधन कार्यालय के सभी कर्मचारी कम्प्यूटर ऑपरेटर-अंकित, षिवओम, सोभित कुमार, नितिन कुमार, विजय बहादुर सिंह, प्रषान्त कुमार, मुकुल कुमार तोमर व अन्य उपस्थित रहें।

चाईनीज मांझे को लेकर पुलिस ने अपनाया सख्त रुख, विक्रेताओं व इस्तेमाल करने वालों को दी चेतावनी

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की डिडौली कोतवाली पुलिस ने चाइनीस मांझे को लेकर विक्रेताओं और इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त रूप अपनाते हुए कार्यवाही की चेतावनी दी है। रविवार की दोपहर डिडौली पुलिस ने कोतवाली परिसर में पतंग व मांझा विक्रेताओं के साथ एक बैठक आयोजित की ,जिसमें प्रतिबंधित मांझे की बिक्री या इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई है।

बता दें कि इस दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र बालियान ने बैठक में कहा कि चाईनीज मांझा अब सिर्फ एक खेल का सामान नहीं बल्कि मौत का जाल बन चुका है उन्होंने बताया कि इससे आए दिन गले कटने, सड़क दुर्घटना और पक्षियों की दर्दनाक मौत के मामले सामने आ रहे हैं उन्होंने कहा कि दुकानदारों को केवल वेध और सुरक्षित मांझा बेचने की स्पष्ट निर्देश हैं अन्यथा की स्थिति में विक्रताओं एवं इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से भी इस अभियान में सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं भी चाईनीज मांझे की बिक्री या उपयोग होता दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, पुलिस ने आश्वासन दिया है सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। बैठक में नाबालिक बच्चों के अभिभावकों को भी विशेष रूप से बुलाकर जागरूक किया गया ,उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और खतरनाक मांझे से बच्चों को दूर रखने की जिम्मेदारी समझाई। इस दौरान एसएसआई नरेंद्र कुमार, उप निरीक्षक सुरेंद्र पाल सिंह, कमल सिंह, प्रवीण कुमार, वीरेंद्र कुमार,सतवीर सिंह प्रधान, महीपाल सिंह, डॉक्टर वसीम, डॉक्टर रिहान पाशा, लोकेंद्र सिंह, हरिओम कपासिया, नरेंद्र कुमार वर्मा, अनिल कुमार वर्मा, रूप सिंह, तुषार गुप्ता, विपिन कुमार, शिवनारायण सिंह, सतवीर सिंह, संदीप, योगेश कुमार, सचिन कुमार, फारुख हुसैन और मोहम्मद सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। पुलिस की इस सख्ती के बाद क्षेत्र में चाईनीज मांझे के खिलाफ जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है।

धनौरा में भाकियू (लोकशक्ति) की मासिक बैठक का आयोजन

गैस सिलेंडर की भारी किल्लत जनता परेशानः- सुमित नागर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की मासिक बैठक का आयोजन धनौरा तहसील प्रांगण में किया गया। बैठक का नेतृत्व डॉ. सुमित कुमार नागर (राष्ट्रीय सचिव) के द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सुभाष चन्द्र पाल व संचालन दीपक कुमार के द्वारा किया गया।

बता दें कि बैठक में राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुमित कुमार नागर ने विशेष रूप से किसानों की समस्याओं को गंभीरता से उठाया तथा किसानों व जनसमस्याओं के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की, जिनमें से प्रमुख समस्याएं निम्न हैं झ

क्षेत्र में जगह-जगह बिजली मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे आम जनता व किसानों में असंतोष व्याप्त है। अतः निवेदन है कि स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को रोका जाए।,धनौरा क्षेत्र में सड़कों के किनारे अनावश्यक भीड़भाड़ बनी रहती है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कृपया इसकी जांच कर उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।,क्षेत्र में गैस सिलेंडर की भारी कमी चल रही है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अतः गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।,धनौरा तहसील क्षेत्र में यह देखने में आ रहा है कि लेखपालों द्वारा किसानों की भूमि के अंश गलत दर्ज कर दिए गए हैं। जब किसान इन त्रुटियों को सही कराने जाते हैं तो उनसे अवैध रूप से धन की मांग की जाती है। यह अत्यंत गंभीर व भ्रष्टाचारपूर्ण मामला है। अतः इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी लेखपालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए तथा किसानों के अंशों को सही कराया जाए।,क्षेत्र में आवारा पशु किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अतः इन पशुओं को पकड़कर गौशाला में भिजवाने की उचित व्यवस्था की जाए।, किसानों को समय पर खाद व बीज नहीं मिल पा रहा है, इसकी उचित व्यवस्था की जाए ताकि किसानों को परेशानी न हो।,किसानों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। नहरों व ट्यूबवेल की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।,क्षेत्र में अनेक पात्र किसानों को ढट सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इससे वे आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। अतः सभी पात्र किसानों का सत्यापन कर उन्हें शीघ्र योजना का लाभ दिलाया जाए।अंत में डॉ. सुमित कुमार नागर ने प्रशासन से किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की जोरदार मांग की तथा सभी पदाधिकारियों को एकजुट होकर किसानों के हित में कार्य करने का आह्वान किया।इस मासिक बैठक में डॉ. सुमित कुमार नागर (राष्ट्रीय सचिव), नीरज कुमार, आनंद त्यागी, सुभाष चंद्र यादव, हुकम सिंह, जय सिंह, चंद्रकिरण महाराज, सोमवीर सिंह, राजे सिंह, अशोक कुमार, संजय प्रजापति, बाबूराम, बलराम सिंह, मुन्नू सिंह, हिमांगी नागर, राजेश सैनी, जितेंद्र कुमार, चंद्र प्रकाश, यतन सिंह, अतुल नागर, बिजेंद्र, राजेश नागर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने धनौरा में मलिन बस्ती का भ्रमण कर किया जनसंवाद

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के0पी0मलिक ने अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शनिवार को नगर पालिका धनौरा की मलिन बस्ती का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के घर पहुंचकर संवाद किया और पूछा कि किसी तरह की कोई दिक्कत तो नहीं आई। उन्होंने वहां साफ-सफाई और सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी। इस अवसर पर उन्होंने पीएम आवास योजना शहरी के तहत पात्रों को स्वीकृति प्रमाण पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र, धनौरा पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, एसडीएम विभा श्रीवास्तव,एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा पर जिला स्तरीय बैठक, मिलावट पर सख्ती के निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में शनिवार को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (नई दिल्ली) के निदेर्शानुसार जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2 अभिहित अधिकारी मानवेंद्र सिंह ने प्रमुख एजेंडा बिंदुओं से अवगत कराते हुए बताया कि खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि धारा 64 के अंतर्गत जनपद में 18 वाद दायर किए गए हैं, जिनमें से 8 मामलों में न्यायालय द्वारा डबल पेनल्टी लगाई जा चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि मानकों के विपरीत बार-बार कार्य करने वालों पर दोगुना जुमार्ना लगाया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने मावा में मिलावट को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों

को निर्देश दिए कि उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु की बैठकों सहित अन्य मंचों पर व्यापारियों और आम लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की समीक्षा भी की। बैठक में बताया गया कि जनपद में फूड सेफ्टी वैन (मोबाइल लैब) के माध्यम से समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं, हालांकि वर्तमान में जनपद की अपनी वैन उपलब्ध नहीं है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने शासन स्तर पर फूड सेफ्टी वैन उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

स्ट्रीट फूड की गुणवत्ता पर जोर देते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठेले-खोमचे वालों के खाद्य पदार्थों की नियमित जांच की जाए और जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं। साथ ही ईट राइट इंडिया अभियान के तहत इंटर व डिग्री कॉलेजों में जागरूकता कैंप लगाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में व्यापारी वर्ग से भी सुझाव लिए गए। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल ने स्कूलों के आसपास खाद्य गुणवत्ता को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। इसके अलावा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह की महिलाओं के प्रशिक्षण एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकरण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फूड सेफ्टी इमरजेंसी रिस्पांस के तहत जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स वैन के माध्यम से स्कूली बच्चों को सुरक्षित और शुद्ध खानपान के प्रति जागरूक किया जाए। इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष गवां अखिलेश अग्रवाल, सीएफएसओ राहुल सिंह सहित खाद्य सुरक्षा विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में चार परिवारों में हुआ सुलह समझौता

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। बैठक का संचालन नियमित काउंसलिंग केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में किया गया, जिसमें पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित करने का

प्रयास किया गया। काउंसलर्स की मदद से दोनों पक्षों को समझाकर आपसी मतभेद दूर कराने की पहल की गई। बैठक के दौरान कुल 64 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 13 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं 4 परिवारों को आपसी सहमति से पुन एक साथ रहने के लिए राजी कर लिया गया। 6 मामलों में आवेदकों द्वारा आगे कार्रवाई में रुचि न लेने के कारण पत्रावलियां बंद कर दी गईं, जबकि 3 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई।

इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, श्वेता गुप्ता, बबीता शर्मा, कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत तथा महिला आरक्षी ज्योति सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लूट कांड का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, तीन गिरफ्तार

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असालत पुर जारई में हुई सनसनीखेज लूट की वारदात का पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत रविवार को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक शातिर बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने इस मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस के अनुसार रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि असालत पुर जारई लूट कांड से जुड़े संदिग्ध बदमाश एक बाइक से ग्राम कैथल से बुद्धनगर खंडवा की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना चन्दौसी पुलिस ने घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखकर बाइक सवार बदमाश भागने लगे और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान रवि पुत्र राम प्रसाद के रूप में हुई है। हालांकि उसका दूसरा साथी और गैंग का सरगना राजेन्द्र पुत्र इन्द्र सिंह मौके से फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने दो अन्य अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें नफीस पुत्र वसीर अहमद शामिल है, जो वारदात के बाद भागते समय छत से गिरकर घायल हो गया था। उसे ग्रामीणों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। वहीं राहुल पुत्र हरीश को जीरो पॉइंट चन्दौसी-बदायूं मार्ग से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से पुलिस ने रवि से 30 हजार रुपये, राहुल से 10 हजार रुपये, पीली धातु के दो कुंडल, घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की मोटरसाइकिल तथा रवि के पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

फिलहाल फरार मुख्य सरगना राजेन्द्र उर्फ इन्दल की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भूमि विवाद ने लिया हिंसक रूप, फायरिंग में युवक घायल, दो पर केस दर्ज

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा चन्दौसी के बड़े बाजार में शनिवार सुबह भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई झड़प ने हिंसक रूप ले लिया। कहासुनी के बाद लाठी-डंडे चले और फायरिंग हो गई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार बड़े बाजार स्थित पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में जमीन को लेकर दो कारोबारी पक्षों के बीच कई दिनों से तनाव बना हुआ था। शनिवार सुबह निखिल गुप्ता अपने भाई अर्पित और पिता गोपीराम के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य के तहत दुकानों पर शटर लगवाने लगे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के निशांत वार्ष्णेय और उनके भाई प्रशांत वहां पहुंच गए।

आरोप है कि दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। लाठी-डंडों के बाद फायरिंग की गई, जिसमें सब्जी कारोबारी निखिल गुप्ता के बाएं हाथ में गोली लग गई। घायल निखिल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रभारी निरीक्षक अनुज तोमर ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति का 9वां वार्षिकोत्सव, जरूरतमंद बालिकाओं को सिलाई मशीनें वितरित

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के चन्दौसी स्थित बदायूं रोड पर ओमीलाला फॉर्म्स में शनिवार को वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति, उ.प्र. द्वारा 9वें वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अक्रूर जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री गुलाब देवी, लखनऊ सदर विधायक डॉ. नीरज बोरा तथा बदायूं सदर विधायक व ब्लॉक प्रमुख डॉ. सुगंधा सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। समिति की प्रदेश सचिव प्रतिभा चौधरी ने बताया कि संस्था पिछले 9 वर्षों से विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इस अवसर पर वार्ष्णेय महिलाओं द्वारा प्रकाशित पत्रिका ह्यपरिदृश्य-5ह्ल का लोकार्पण किया गया। साथ ही पत्रिका के सहयोगियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान 11 जरूरतमंद परिवारों की बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीनें भेंट की गईं, जिसकी सभी अतिथियों ने सराहना की।

विशिष्ट अतिथियों में चेयरमैन बहजोई राजेश शंकर राजू, चेयरमैन बबराला हर्षवर्धन वार्ष्णेय, दिल्ली महासभा अध्यक्ष सुशील वार्ष्णेय, महामंत्री योगेश गुप्ता, सुधीर गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, सतेंद्र वार्ष्णेय सहित कई गणमान्य लोगों ने समिति के कार्यों की प्रशंसा करते हुए मातृशक्ति के प्रयासों को प्रेरणादायक बताया।

इस दौरान नए सत्र के लिए प्रदेश अध्यक्ष रीना चौधरी, प्रदेश सचिव प्रतिभा चौधरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष पूजा वार्ष्णेय सहित पूरी कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट अंकित वार्ष्णेय, अभिलाषा, डॉ. सौरभ वार्ष्णेय एवं अमित केएस ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में समिति की अनेक सदस्याओं सहित शहर के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन, दो हजार से अधिक मरीजों का निःशुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 246वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक लाभ लोगों को मिला।

आरोग्य मेले में 33 चिकित्सकों एवं 126 पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2322 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया गया। इनमें 1090 पुरुष, 857 महिलाएं तथा 375 बच्चे शामिल रहे। साथ ही आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 138 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए।

मेले में विभिन्न बीमारियों के मरीजों की जांच की गई, जिनमें बुखार के 306, चर्म रोग के 504, दमा के 298, मधुमेह के 87, नेत्र रोग के 20, उच्च रक्तचाप के 97 तथा अन्य रोगों के मरीज शामिल रहे। बुखार के मरीजों में 35 को मलेरिया तथा 21 की डेंगू जांच की गई, जिनकी सभी रिपोर्ट निगेटिव पाई गईं। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन से संबंधित परामर्श एवं सामग्री वितरण के लिए अलग काउंटर बनाए गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकताओं द्वारा सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अलावा एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 201 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया।

मेले में 25 मरीजों को टेलीमैनस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

मिशन शक्ति टीम द्वाराकिया गया स्वावलंबन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज-05 के द्वितीय चरण विशेष अभियान के अंतर्गत रविवार को बहजोई रेलवे स्टेशन पर मिशन शक्ति टीम द्वारा स्वावलंबन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और समाज में उनकी सशक्त भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान टीम ने शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह निषेध, बाल श्रम अपराध एवं लैंगिक समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री द्वारा संचालित इस पहल का उद्देश्य उन्हें सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

मिशन शक्ति टीम ने विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, जिनमें महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। इस अवसर पर महिला उपनिरीक्षक अपर्णा बंसल, हेड कांस्टेबल आशीष त्यागी, हेड कांस्टेबल सौरभ कुमार, कांस्टेबल हरेंद्र सिंह, महिला कांस्टेबल संगीता, सरिता एवं पिंकी सहित थाना बहजोई के पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बहजोई पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में की गई।

पुलिस के अनुसार,थाना बहजोई पुलिस टीम ने रविवार को अभियुक्त सतपाल (22) पुत्र छत्रपाल को क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ थाना बहजोई में आधार अधिनियम 2016 के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

जांच में सामने आया कि अभियुक्त अपने साथियों के साथ मिलकर अवैध तरीके से आधार पोर्टल की अधिकृत लॉगिन आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग करता था। वह इन्हें अनधिकृत स्थानों से अपने लैपटॉप पर लॉगिन कर आधार डेटाबेस में फर्जी बदलाव करता था, जिसमें फिंगरप्रिंट, फोटो, आईरिस डेटा और अन्य विवरण शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, आधार से जुड़े कार्य केवल अधिकृत केंद्रों जैसे डाकघर और बैंकों से ही किए जा सकते हैं, लेकिन आरोपी अवैध सॉफ्टवेयर की मदद से इन प्रतिबंधों को दरकिनार कर रहा था। यह कृत्य सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 और आधार अधिनियम 2016 का उल्लंघन है। आरोपी स्वयं आधार बनाने के लिए अधिकृत नहीं था और उसे लॉगिन आईडी अपने अन्य साथियों से मिलती थी। गिरोह के सदस्य लोगों से अधिक धन वसूलकर फर्जी आधार कार्ड तैयार करते थे और उससे मिलने वाले अवैध लाभ को आपस में बांट लेते थे।

व्यापार मंडल ने रामनवमी पर शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

सम्भल(सब का सपना):- रामनवमी के पावन अवसर पर जनपद में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की तहसील इकाई ने यात्रा मार्ग पर पुष्प वर्षा कर राम भक्तों का जोरदार स्वागत किया और सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के सनातन धर्म को सशक्त बनाने के संकल्प को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जनपद सम्भल के चेयरमैन गौरीशंकर चौधरी ने किया।

सम्भल नगर के प्रमुख शंकर चौराहे पर जैसे ही शोभायात्रा पहुंची, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने राम भक्तों पर फूलों की वर्षा की, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण हो गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

इस अवसर पर व्यापार मंडल के कई पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें अध्यक्ष हर्षित शर्मा, महामंत्री प्रतीक गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, मंत्री वैभव छाबड़ा, उपाध्यक्ष अंकित गुप्ता, पुष्कल गुप्ता, अक्षय गुप्ता और अर्चित गुप्ता सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

कार्यक्रम के दौरान गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि व्यापारी वर्ग हमेशा से सनातन संस्कृति और हिंदू परंपराओं के संरक्षण में अग्रणी रहा है। रामनवमी की शोभायात्रा में पुष्प वर्षा के माध्यम से न केवल भक्ति भाव व्यक्त किया गया, बल्कि सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का भी संदेश दिया गया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल लगातार सनातन मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय है।

इस आयोजन ने सम्भल में व्यापारी समुदाय की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर उजागर किया। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल धार्मिक आस्था मजबूत होती है, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का भी वातावरण बनता है।

बंद पड़ी पेयजल टंकी से बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी, जल्द चालू कराने की मांग तेज

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के किरतपुर क्षेत्र के ग्राम चिड़िया चण्डक तुर्क में बनी पेयजल टंकी लंबे समय से बंद पड़ी होने के कारण ग्रामीणों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। समस्या बढ़ने पर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से टंकी को शीघ्र चालू कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार द्वारा पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था, लेकिन काफी समय से इसका संचालन बंद पड़ा है। टंकी के ठप होने से गांव के लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

गर्मी का मौसम शुरू होते ही हालात और भी खराब हो गए हैं। खासकर महिलाओं और बच्चों को पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने जिला अधिकारी से मामले का संज्ञान लेते हुए पेयजल टंकी को तत्काल चालू कराने और गांव में नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

इस समस्या को लेकर गांव में रोष का माहौल है और लोग प्रशासन से शीघ्र राहत की उम्मीद लगाए हुए हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत दस माह पहले पत्नी की बीमारी से मौत

संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम परतापुर में उस वक्त मातम छा गया जब दिल्ली में मजदूरी कर परिवार पालने वाले एक युवक की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि एक 8 वर्षीय मासूम के सिर से पिता का साया भी छीन लिया, जिसकी माँ का देहांत बीमारी के कारण पहले ही हो चुका था। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम परतापुर निवासी सुरेंद्र पुत्र बुद्ध सेन दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था और वहीं से अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। बीते दिन शनिवार को सुरेंद्र अपनी बाइक से अपनी बड़ी बहन के घर आदमपुर जा रहा था। जैसे ही वह संभल के लाडम सराय पहुंचा तो उसकी बाइक का भीषण एक्सीडेंट हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुरेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सुरेंद्र की पत्नी रेखा का देहांत लगभग 10 माह पूर्व ही हो चुका था। अब सुरेंद्र की मृत्यु के बाद उनका 8 वर्षीय पुत्र देव पूरी तरह से अनाथ हो गया है। घर में अब इस मासूम की देखभाल करने वाला कोई सहारा नहीं बचा है। हादसे की खबर जैसे ही परतापुर गांव पहुँची तो वहां सन्नाटा पसर गया। दिल्ली में मेहनत-मजदूरी कर अपने बच्चे का भविष्य बनाने की कोशिश कर रहे सुरेंद्र की अचानक मौत से हर कोई गमगीन है। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और कानूनी कार्रवाई की जा रही थी।

बिजनौर में फिर सजेगा बॉडीबिल्डिंग का मंच, प्रस्ताव शासन को भेजा गया

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में खेल प्रेमियों और युवाओं के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। पिछली प्रतियोगिता की सफलता के बाद एक बार फिर बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता आयोजित कराने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने बताया कि बिजनौर महोत्सव के अंतर्गत आयोजित बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता को जबरदस्त प्रतिसाद मिला था। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों का भी खासा उत्साह देखने को मिला, जिससे यह आयोजन बेहद सफल रहा।

इसी सफलता को देखते हुए जिला खेल कार्यालय की ओर से एक और बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता आयोजित कराने का प्रस्ताव तैयार कर खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को भेज दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, जैसे ही शासन स्तर से स्वीकृति और आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त होंगे, प्रतियोगिता की तिथि घोषित कर दी जाएगी और विस्तृत कार्यक्रम सार्वजनिक किया जाएगा।

इस प्रस्तावित प्रतियोगिता में न केवल बिजनौर, बल्कि अन्य जनपदों और बाहरी क्षेत्रों के खिलाड़ी भी हिस्सा ले सकेंगे। खास बात यह है कि प्रतियोगिता में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा जाएगा, जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाओं को मंच मिल सके। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने इच्छुक खिलाड़ियों से अपील की है कि वे अभी से तैयारी शुरू कर दें और प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय से संपर्क बनाए रखें।

हज यात्रियों को दी गई ट्रेनिंग, दवाई किट व बैग भी किए गए वितरित

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के राया बुजुर्ग स्थित काग्रेस कार्यालय में रविवार को हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हाजियों को हज के दौरान आवश्यक प्रक्रियाओं और सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई इस दौरान ट्रेनर कारी मोहम्मद अली ने हज की पूरी प्रक्रिया, अरकान और जरूरी व्यवस्थाओं को सरल तरीके से समझाया, ताकि यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यक्रम में हाजी मरगूब आलम (पूर्व काग्रेस विधायक प्रत्याशी एवं एआईसीसी सदस्य) की ओर से हज पर जाने वाले यात्रियों को दवाई किट, बैग और अन्य जरूरी सामान वितरित कर सम्मानित किया गया। हाजी मरगूब आलम ने कहा कि हज इस्लाम का एक महत्वपूर्ण फर्ज है और इसमें जाने वाले यात्रियों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। उन्होंने हाजियों से दुआओं में देश और समाज की खुशहाली की कामना करने की अपील की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे हाजियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

खनन माफिया बेखौफ, रात के अंधेरे में सफेद रेत का काला खेल जारी

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना सैद नगली क्षेत्र के पुलिस चौकी उझारी के अंतर्गत इन दिनों खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। यहाँ बड़े पैमाने पर सफेद रेत का अवैध खनन किया जा रहा है, जिससे सरकार को रोजाना लाखों रुपये के राजस्व का चूना लग रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जैसे ही सूरज ढलता है, वैसे ही चौकी क्षेत्र के फतेहपुर गांव और आसपास के इलाकों में खनन माफिया सक्रिय हो जाते हैं। रात भर रेत से लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली और बुग्गी गाड़ियां सड़कों पर नजर आती हैं। यह सिलसिला सूरज निकलने तक बदस्तूर जारी रहता है।

हैरानी की बात यह है कि पुलिस और संबंधित विभाग की नाक के नीचे यह अवैध कारोबार खुब फल-फूल रहा है। माफिया रोजाना लाखों का 'वारा-न्यारा' कर रहे हैं, जबकि प्रशासन मौन बना हुआ है। पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुँच रहा है। अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन की चुप्पी ने लोगों को हैरान कर दिया है।

अब देखना यह होगा कि सब कुछ यूं ही चलता रहेगा या फिर कुछ प्रशासनिक कार्रवाई भी होगी।

सवारी बैठाने को लेकर दो ई-रिक्शा चालकों के बीच विवाद हुआ हिंसक

बिजनौर (सब का सपना):- शहर के झालू चौराहे स्थित रामलीला ग्राउंड के पास सवारी बैठाने को लेकर दो ई-रिक्शा चालकों के बीच विवाद उस समय हिंसक हो गया, जब एक चालक ने चापड़ निकालकर दूसरे पर हमला कर दिया। गनीमत रही कि पीड़ित बाल-बाल बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुलदीप सैनी रोजाना की तरह झालू और खारी मार्ग के लिए सवारियां बैठा रहे थे। इसी दौरान सवारी को लेकर दूसरे ई-रिक्शा चालक सलीम निवासी बुखारा से कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि सलीम ने अपने ई-रिक्शा से चापड़ निकालकर कुलदीप पर हमला कर दिया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद तत्काल आबकारी चौकी प्रभारी को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सलीम को चापड़ सहित हिरासत में लेकर थाने ले गई। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नारायण सेवा समिति की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- ब्रजनगर स्थित भोलेनाथ भवन में रविवार को नारायण सेवा समिति (रजि.) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति की भविष्य की कार्ययोजनाओं और सामाजिक सरोकारों पर गहन मंथन किया गया। बैठक की शुरूआत करते हुए अध्यक्ष सुभाष चंद्र वार्ष्णेय भोलेनाथ ने स्वीकार किया कि किन्हीं अपरिहार्य कारणों से पिछले कुछ समय से समिति की गतिविधियां थमी हुई थीं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सर्वसम्मति से आगामी कार्यक्रमों को नई ऊर्जा के साथ धरातल पर उतारा जाए।

पत्रिका 'कविशा' का विमोचन प्रबंधक हरीश कठेरिया ने जानकारी दी कि अगले माह से समिति अपनी पत्रिका कविशा का प्रकाशन शुरू करेगी। इसमें चंदौसी और आसपास के क्षेत्रों की प्रतिष्ठित व ख्यातिलब्ध विभूतियों के व्यक्तित्व और कृतित्व को प्रमुखता दी जाएगी। राजकुमार गोयल ने कहा कि पिछली सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता स्थगित होने के बाद, अब आगामी कला प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी भव्यता और सुव्यवस्थित ढंग से की जानी चाहिए।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण मुख्य वक्ता एवं पूर्व प्रधानाचार्य हरपाल सिंह ने पर्यावरण संरक्षण पर कहा कि अब वृक्षारोपण के साथ-साथ उनके संवर्धन के प्रति सचेत होने की आवश्यकता है। वहीं, विपिन बालाजी ने स्वच्छ जल की बचत को समिति की प्राथमिकता सूची में रखने की बात कही।डॉ. डी. के. अग्निहोत्री ने सभी सदस्यों से सामाजिक हित के कार्यों में समान और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में के.जी. गुप्ता, मुकुंद अग्रवाल और श्यामसुंदर दुबे ने भी वर्तमान सामाजिक घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए।

इस बैठक की अध्यक्षता कृष्णगोपाल गुप्ता ने की तथा कुशल संचालन डॉ. जय शंकर दुबे द्वारा किया गया।

बिजनौर में बसपा का शक्ति प्रदर्शन

नए कोऑर्डिनेटरों के स्वागत में उमड़ा सैलाब, 2027 का लक्ष्य घोषित

बिजनौर (सब का सपना):- रविवार को जिले की राजनीति में उस समय खास हलचल देखने को मिली, जब बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम एक बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदल गया। मुरादाबाद मंडल के नए कोऑर्डिनेटर बनाए गए बीपी सिंह उर्फ बीपी भाई और डॉ. रोनी के स्वागत में कार्यकताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही कार्यकताओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। देखते ही देखते पूरा परिसर फूल-मालाओं, नारों और उत्साह से गूंज उठा। बसपा जिंदाबाद और बहन जी को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है जैसे नारों ने माहौल को पूरी तरह राजनीतिक रंग में रंग दिया। नए कोऑर्डिनेटर बीपी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और हर कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका देने का भरोसा दिलाया।

डॉ. रोनी ने भी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी जीत का आधार होती है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ कार्यकताओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। इस दौरान कार्यकताओं ने एक स्वर में 2027 विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाते हुए पार्टी को सत्ता में लाने का संकल्प दोहराया।

पूरे आयोजन में संगठनात्मक एकता, ऊर्जा और चुनावी तैयारी की झलक साफ नजर आई। यह कार्यक्रम केवल स्वागत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आने वाले चुनावों के लिए पार्टी की रणनीतिक सक्रियता का भी संकेत देता दिखा।

अंबेडकर जयंती की अनुमति में देरी पर रोष, लखनऊ में शिकायत की चेतावनी

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को ब्लॉक कॉलोनी स्थित अजब सिंह एडवोकेट के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कोर कमेटी के अध्यक्ष जयपाल सिंह ने की, जिसमें समिति के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम की अनुमति में हो रही देरी को लेकर गहरा रोष व्यक्त किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 26 फरवरी को उपजिलाधिकारी हसनपुर को अनुमति के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि 27 फरवरी को बिजली एवं फायर विभाग से अनुमति मिल चुकी है।

इसके अलावा 6 मार्च को अंबेडकर पार्क की साफ-सफाई व मरम्मत के लिए नगर पालिका परिषद में भी आवेदन किया जा चुका है।

समिति का कहना है कि 10 मार्च को प्रभारी निरीक्षक हसनपुर को सभी दस्तावेज सौंपे गए थे और कई बार व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से अनुरोध भी किया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। 15 मार्च को कोतवाली में और 16 मार्च को क्षेत्राधिकारी तथा 23 मार्च को उपजिलाधिकारी के समक्ष भी पत्रावली प्रस्तुत की जा चुकी है।

बैठक में यह भी बताया गया कि समिति के गठन के दौरान दो गुटों में विवाद हुआ था, जिसे समाज के प्रबुद्ध लोगों ने पंचायत के माध्यम से सुलझाया। सर्वसम्मति से दिनेश गौतम को कार्यक्रम कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। बावजूद इसके, एक व्यक्ति विशेष द्वारा माहौल बिगाड़ने और प्रशासन पर दबाव बनाने के आरोप लगाए गए।

पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस प्रशासन एक पक्ष के दबाव में कार्य कर रहा है, जिससे पूरे समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं। अंबेडकर जयंती के आयोजन में अब केवल 14-15 दिन शेष हैं, ऐसे में समय पर अनुमति न मिलने से आयोजन प्रभावित हो सकता है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि शीघ्र अनुमति जारी नहीं की गई तो समिति का एक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री से शिकायत करेगा। इस दौरान समिति के अध्यक्ष दिनेश गौतम, रामवीर सिंह, विजय गौतम, लता सागर, मुरारी लाल मौर्य, विनोद कुमार गौतम, महीपाल सिंह, जगवीर सिंह मौर्य, रोहतास सिंह, अरविंद कुमार, मुकेश जाटव, विकास कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बालिका धनौरा का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक द्वारा शुक्रवार को देर सांय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बालिका धनौरा का निर-ीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्री ने छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने बालिकाओं से उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में पूछा तथा उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और छात्राओं को पुस्तकें प्रदान कर स्कूल चलो अभियान की शुरूआत की। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश देते हुए कहा कि छात्राओं को प्रैक्टिकल आधार पर पढ़ाई कराई जाए। कहा कि विद्यालय की व्यवस्था, स्वच्छता तथा बालिकाओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति देखकर संतोष व्यक्त किया। छात्राओं के अनुशासन और अच्छे व्यवहार को देखते हुए उन्होंने विद्यालय के स्टाफ की भरपूर प्रशंसा की।

इस दौरान उन्होंने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाएं। स्मार्ट क्लास में कंप्यूटर चलाते हुए छात्र-ाओं को देखकर उन्होंने उनकी स-राहना की और सभी बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पानीपत में डेढ साल की बच्ची पर गिरा उबलता पानी

पानीपत : पानीपत जिले के गांव सिवाह में बड़ा हादसा हो गया। जहां खेल रही डेढ़ साल की बच्ची उबलते हुए पानी की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गई। बच्ची को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मूल रूप से शामली (यूपी) के गांव रामड़ा निवासी मोहम्मद इस्तिगार ने बताया कि वह फिलहाल पानीपत के गांव सिवाह के खेतों में अपने परिवार के साथ रहता है और वहां खरबूजे की खेती करता है। शनिवार शाम करीब 4 बजे उसकी पत्नी घर में चावल बना रही थी। एक बड़े बर्तन में करीब 4 लीटर पानी उबल रहा था। पत्नी पानी उबलने के बाद किसी दूसरे काम में व्यस्त हो गई। इसी दौरान उनकी इकलौती बेटी अमबिया वहां खेलते हुए पहुंच गई। खेलते-खेलते मासूम का हाथ उबलते पानी के बर्तन पर लग गया, जिससे खोलता हुआ पानी सीधे उसके ऊपर गिर गया। जिससे वह झुलस गई।

कलयुगी मां की करतूतः होडल हाईवे पर चलती गाड़ी से फेंका नवजात, खून से लथपथ मिला मासूम का शव

होडल : इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक हृदयविदारक मामला होडल के गांव बनचारी के निकट नेशनल हाईवे से सामने आया है। यहाँ रविवार सुबह एक नवजात शिशु (लड़का) खून से लथपथ हालत में सड़क किनारे पड़ा मिला। ममता को कलंकित करने वाली इस घटना ने राहगीरों और स्थानीय लोगों की रूह कंपा दी। रविवार सुबह जब राहगीर नेशनल हाईवे से गुजर रहे थे, तो उनकी नजर सड़क किनारे पड़े एक नवजात पर पड़ी। बच्चा पूरी तरह खून से लथपथ था। स्थानीय लोगों ने तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही मुंडकटी थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले, शव को आवारा जानवरों से बचाने के लिए पास के एक खोखे वाले ने अस्थाई रूप से उसे मिट्टी में दबा दिया था। पुलिस ने पहुंचने पर शव को निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। मौके पर मौजूद जांच अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि बच्चे का जन्म घटना से महज 5 से 6 घंटे पहले ही हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने चलती गाड़ी से बच्चे को हाईवे किनारे फेंका है। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी कैमरों और अस्पतालों के रिकॉर्ड खंगाल रही है ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके।

सिरसा ड्रग रेडः पुलिस को देख फ्लैट की दूसरी मंजिल से कूदा पूर्व नेता, महिला हेरोइन के साथ गिरफ्तार

सिरसाः सीआईए टीम ने शुक्रवार रात सेक्टर-19 के एक फ्लैट में छापा मारकर नशे के अवैध धंधे का भंडाफोड़ किया। पुलिस कार्रवाई के दौरान पकड़े जाने के डर से एक युवक दूसरी मंजिल से कूद गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मौके से एक महिला को हिरासत में लेकर उसके पास से 2.40 ग्राम हेरोइन बरामद की है। सीआईए सिरसा को सूचना मिली कि सेक्टर-19 निवासी कृष्णा देवी अपने फ्लैट से हेरोइन बेचने का काम करती है। एएसआई संदीप के नेतृत्व में टीम ने फ्लैट पर दबिश दी तो वहां कृष्णा देवी के साथ एक युवक था जो पुलिस को देखते ही भागने लगा और घबराहट में दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि पुलिस ने सेक्टर-20 निवासी शिवराज को पकड़ लिया। शिवराज जिला युवा कांग्रेस का पूर्व कार्यकर्ता रह चुका है। आरोप है कि 20 नवंबर 2025 को सिरसा भाजपा कार्यालय में पीएम और सीएम के पोस्टरों पर कालिख पोती थी। इस पर सिविल लाइन थाने में प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस ने घायल शिवराज को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं कृष्णा देवी से 2.40 ग्राम हेरोइन बरामद होने पर गिरफ्तार कर लिया है।

फतेहाबादः बाइक जब्त होने पर माँ-बेटे का हाईवोल्टेज ड्रामा, होमगार्ड की वर्दी फाड़ी, अब पहुंचे जेल

रतियाः फतेहाबाद रोड पर लगे पुलिस नाके पर जांच के दौरान कागजात न होने पर जब्त बाइक को छुड़ाने के लिए एक युवक ने अपनी मां व साथी के साथ मिलकर होमगार्ड पर हमला कर उसकी वर्दी फाड़ दी। थाना प्रभारी ने घायल होमगार्ड जवान को उपनागरिक अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने घायल की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में हिसार जेल भेज दिया। अस्पताल में भर्ती होमगार्ड सोमनाथ ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ सरदूलगढ़ रोड पर नाके पर ड्यूटी पर तैनात था। इस दौरान रतिया निवासी डाडू अपनी मां रमन व बिट्टू के साथ बाइक से आया।

सावधान! हाईवे पर अब नहीं चलेगा कैश, जल्द करें ये काम... नहीं तो होगी परेशानी

बहादुरगढ़ः नेशनल हाईवे पर एक अप्रैल से नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। अब सिर्फ डिजिटल माध्यमों से ही शुल्क लिया जाएगा। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर टोल में 3 से 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। बहादुरगढ़ क्षेत्र के रोहद टोल प्लाजा और छारा टोल प्लाजा पर भी टोल की दरें बढ़ने के आसार हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निदेर्शों के अनुसार सभी टोल प्लाजा पर डिजिटल सिस्टम को मजबूत किया गया है ताकि वाहनों की आवाजाही सुगम बनी रहे जिससे जाम की समस्या से राहत मिल सके। कैशलेस व्यवस्था लागू होने से टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारें कम होंगी और यात्रियों का समय बचेगा। टोल संचालकों ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने वाहनों में फास्टैग सक्रिय करा लें और डिजिटल भुगतान के लिए तैयार रहें ताकि सफर के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। टोल टैक्स की बढ़ोतरी का असर वाहन संचालकों पर पड़ेगा। नई टोल टैक्स दरें एक अप्रैल से लागू करने की तैयारी की गई है। हरियाणा राज्य औद्योगिक संरचना एवं विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) ने तीन से चार प्रतिशत दरें बढ़ाने प्रस्ताव दिया है।

जेवर एयरपोर्ट से मुरादाबाद मंडल के ओडीओपी और पर्यटन को मिलेगी 'ग्लोबल' उड़ान

मुरादाबाद (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पित और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तैयार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) केवल गौतमबुद्ध नगर ही नहीं, बल्कि समूचे मुरादाबाद मंडल के लिए तरक्की का नया सूरज लेकर आया है। शुरूआती 1.2 करोड़ वार्षिक यात्री क्षमता और 2.5 लाख टन कार्गो क्षमता वाले इस अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के शुरू होने से मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा और संभल जिलों की तस्वीर बदलने वाली है। स्थानीय उत्पादों (ओडीओपी) को वैश्विक बाजार मिलने, दिल्ली के जाम से छुटकारा और विदेशी खरीदारों की आसान पहुंच से पूरे मंडल में व्यापार, कृषि, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन को अप्रत्याशित रफ्तार मिलेगी। यह एयरपोर्ट मुरादाबाद मंडल को 'लोकल से ग्लोबल' बनाने की दिशा में सबसे बड़ा मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

मुरादाबादः पीतल और हस्तशिल्प को मिलेंगे नए पंख

मुरादाबाद मंडल के उत्पादों को जेवर एयरपोर्ट से सीधे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उड़ान मिलेगी। मुरादाबाद के जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र (DIC) के संयुक्त आयुक्त योगेश कुमार का कहना है कि जेवर एयरपोर्ट बनने से मंडल की इंटरनेशनल कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी। इससे दिल्ली के जाम से निजात मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करने वाले लोगों का समय बचेगा। शहर के प्रमुख हैंडीक्राफ्ट निर्यातक संदीप (संजीव), जो अमेरिका और यूके में लकड़ी, धातु, पीतल, फैब्रिक और लेदर के उत्पादों का निर्यात करते हैं, बताते हैं कि अभी तक दिल्ली के जरिए माल भेजने में जाम की भारी समस्या थी, लेकिन अब एयरपोर्ट शुरू होने से जाम से बचाव होगा और सप्लाई चेन में तेजी आएगी। होम डेकोरेटिव और हैंडीक्राफ्ट के एक अन्य निर्यातक सुहैल का भी मानना है कि जेवर एयरपोर्ट से माल भेजने में एक से डेढ़ घंटे की बचत होगी और विदेशी खरीदारों के लिए भी सीधे मुरादाबाद आना बेहद आसान हो जाएगा।

बिजनौरः नगीना की काष्ठ कला और ब्रश उद्योग की वैश्विक दस्तक

बिजनौर के वुडन हैंडीक्राफ्ट और ब्रश उद्योग के लिए जेवर एयरपोर्ट गेमचेंजर साबित होने वाला है। बिजनौर के जीएम डीआईसी अमित कुमार के अनुसार, नगीना की काष्ठ कला को 2023 में जीआई टैग मिल चुका है और जिले में 20 हजार से ज्यादा कारीगर व 500 से अधिक इकाइयां इस काम में जुटी हैं। अकेले वुडन हैंडीक्राफ्ट और ब्रश उद्योग का सालाना टर्नओवर 250 से 300 करोड़ रुपये का है। पूरे देश में इस्तेमाल होने वाले 50 प्रतिशत ब्रश शेरकोट में बनते हैं। 10-10 करोड़ की लागत से बन रहे तीन कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) और जेवर एयरपोर्ट की कार्गो सुविधा से बिजनौर के अप्रत्यक्ष निर्यात को सीधे अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा।

रामपुर,अमरोहा और संभल : जरी वर्क, ढोलक और हस्तशिल्प की गूंज

रामपुर का प्रसिद्ध जरी पैचवर्क भी अब वैश्विक उड़ान भरने को तैयार है। रामपुर के जीएम डीआईसी अनुराग यादव बताते हैं कि जिले में 15 से 20 हजार कारीगर जरी वर्क से जुड़े हैं। सरकार टूलकिट और दो करोड़ तक के लोन पर सब्सिडी देकर छोटे कारीगरों को उद्यमी बना रही है। जेवर एयरपोर्ट की सुविधाओं से इन कारीगरों को विदेशों में सीधे अपने उत्पाद बेचने का मौका मिलेगा। वहीं, अमरोहा के जीएम डीआईसी अनूप श्रीवास्तव का कहना है कि जिले की मशहूर ढोलक अभी मुख्य रूप से घरेलू बाजार तक ही सीमित है। अब एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के जरिए स्थानीय ढोलक उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने और उन्हें निर्यातक बनाने की योजना पर काम हो रहा है। इसके साथ ही संभल के जीएम डीआईसी मुकेश कुमार का कहना है कि जिले का प्रसिद्ध हॉर्न और बोन (सींग और हड्डी) हस्तशिल्प पहले से ही विदेशों में अपनी पहचान रखता है। जेवर एयरपोर्ट के चालू होने से इस उद्योग को नई संजीवनी मिलेगी। अब निर्यातकों को अपना माल भेजने में कम समय और कम लागत लगेगी, जिससे संभल के हजारों शिल्पकारों की आय में वृद्धि होगी और विदेशी खरीदारों की सीधी पहुंच से व्यापार का दायरा भी कई गुना बढ़ जाएगा।

पर्यटन और कारीगरों की जगी उम्मीदें

इस नए विकास पथ से जिले के छोटे कारीगर भी बेहद उत्साहित हैं। मु-रादाबाद के पद्म श्री सम्मानित कारीगर चिरंजीलाल का कहना है कि यह योजना बहुत अच्छी है और विदेशी खरीदारों का आना-जाना आसान होने से भाड़े में कमी आएगी, जिससे कारीगरों के उत्पाद ज्यादा बिकेंगे। पर्यटन के मोर्चे पर भी मंडल में भारी उछाल आना तय है। मुरादाबाद के पर्यटन अधिकारी प्रदीप टम्टा का मानना है कि जेवर एयरपोर्ट शुरू होने से एक्सेसिबिलिटी आसान हो जाएगी, जिससे घरेलू और विदेशी पर्यटकों का आना बढ़ेगा। इससे मु-रादाबाद और बिजनौर में टूरिज्म सर्किट और इको-टूरिज्म को काफी बढ़ावा मिलेगा।

जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने से सबसे बड़ी राहत अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और पर्यटकों को मिलेगी। अब तक विदेशी बायर्स को दिल्ली एयरपोर्ट उतरकर मुरादाबाद या बिजनौर पहुंचने में घंटों जाम से जूझना पड़ता था। जेवर से सीधे एक्सप्रेसवे के जरिए आवागमन सुगम होने से विदेशी बायर्स सीधे फैक्ट्रियों और शोरूम तक पहुंच सकेंगे। इससे व्यापारिक रिश्ते मजबूत होंगे और ऑर्डर मिलने की रफ्तार में भी तेजी आएगी।

जेवर एयरपोर्ट केवल उद्योगों के लिए नहीं, बल्कि मंडल के किसानों के लिए भी वरदान साबित होगा। कृषि उत्पाद अब एयर कार्गो के माध्यम से सीधे विदेशी बाजारों में भेजे जा सकेंगे। इसके साथ ही, मुरादाबाद मंडल में नए वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स हब विकसित होंगे। इससे न केवल जिले की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि हजारों युवाओं को उनके ही क्षेत्र में रोजगार के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे।

पंचकूला के मोरनी हिल्स में स्कूली बच्चों से भरी बस हुई हादसे का शिकार, कई बच्चे घायल

पंचकूला : पंचकूला के मोरनी में बच्चों से भरी बस हादसे का शिकार हो गई। यह हादसा बस के ब्रेक फेल होने से हुआ। ड्राइवर की सूझबूझ से हादसा होने से टल गया। बस के ब्रेक फेल होने के बाद ड्राइवर नरेंद्र पाल ने बस को धीमी गति से खाई की तरफ न ले जाकर पहाड़ की तरफ मोड़ा, जिससे बस धीमी गति से पहाड़ में टकरा गई। इस हादसे में करीब 20 बच्चे मामली रूप से घायल हो गए। ता दें कि पंचकूला के हिल स्टेशन मोरनी में आज सुबह करीब 10 बजे एक बस हादसे का शिकार हो गई। एडवेंचर गतिविधियों के लिए हरियाणा महेंद्रगढ़ और नारनौल से स्कूली बच्चे आए थे। जानकारी के अनुसार बच्चे सुबह मोरनी से पिंजौर लौट रहे थे, तभी रास्ते में बस अनियंत्रित होकर पहाड़ से टकरा गई। बस में सवार बच्चों को तुरंत दूसरी बस के माध्यम

से पंचकूला के सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

डॉक्टरों के अनुसार कुछ बच्चों को हल्की चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है। बताया जा रहा है कि बस में सवार सभी बच्चे हरियाणा के महेंद्रगढ़ और नारनौल क्षेत्र से आए हुए थे। बच्चों ने बताया कि सुबह लौटते समय अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया, जिससे यह हादसा हुआ।

158 करोड़ का बैंक घोटाला: वश छोड़कर फरार हुई लेडी अफसर, करनाल में मिली लोकेशन

करनालः पंचकूला नगर निगम के 158 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में शामिल महिला अधिकारी की गिरफ्तारी के लिए चंडीगढ़ पुलिस दो दिन से चौधरी कॉलोनी में डेरा डाले हुए है। पुलिस को आरोपी महिला अधिकारी के मोबाइल फोन की लोकेशन करनाल में मिली है। चंडीगढ़ पुलिस को मकान नंबर 25 के बाहर एक चंडीगढ़ की गाड़ी खड़ी मिली। अंदेशा जताया जा रहा है कि गाड़ी महिला अधिकारी की है। वह पुलिस से बचने के लिए यहां गाड़ी खड़ी करके दूसरी जगह चली गई है। चंडीगढ़ पुलिस को सूचना मिली थी की बैंक घोटाले में शामिल महिला अधिकारी मकान नंबर 25 में अपने रिश्तेदार के पास आई हुई है। शुक्रवार शाम को चंडीगढ़ पुलिस की टीम शहर की चौधरी कॉलोनी में पहुंची। टीम ने यहां एक मकान के अंदर दबिश दी। अंदर न तो अधिकारी

मिली और न ही किराएदार मिले। पुलिसकर्मी रात से ही महिला अधिकारी के बारे में आसपास के लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। घर के बाहर एक चंडीगढ़ नंबर की एक्सयूवी 500 गाड़ी खड़ी मिली है। गाड़ी आरोपी महिला अफसर की बताई जा रही है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि मकान से किराएदार भी गायब हैं और यहां आई हुई महिला भी अपनी गाड़ी को खड़ी करके चली गई है। हालांकि, अभी तक किसी भी अधिकारी का मामले में कोई बयान सामने नहीं आया है।

हरियाणा के इस जिले में लगेगा पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट, पराली प्रबंधन के तहत स्थापित की जाएंगी बायोमास बिजली परियोजनाएं

चंडीगढ़ : हरियाणा में हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने में जुटी सरकार अब जल्द ही ग्रीन हाइड्रोजन पालिसी लाने की तैयारी में है। वर्ष 2030 तक प्रति वर्ष 250 किलो टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन और दो गीगावाट (दो अरब मेगावाट) इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण की क्षमता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस कड़ी में पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट पानीपत में स्थापित किया जाएगा।

ऊर्जा विभाग की ओर से ग्रीन हाइड्रोजन पालिसी को लेकर ड्राफ्ट पर काम तेजी से चल रहा है। वहीं, पराली (धान के फसल अवशेष) निस्तारण की मुहिम के तहत 13 जिलों अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, रोहतक, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर में 9.9 से 25 मेगावाट तक की क्षमता की कुल 200 मेगावाट की बायोमास बिजली परियोजनाएं स्थापित करने की योजना है। किसानों के मौजूदा बिजली आधारित ट्यूबवेल कनेक्शनों पर खेतों में सौर पैनल लगाने की इजाजत दी जाएगी। इससे उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा को बिजली वितरण निगम खरीदेंगे, जिससे किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।

हरियाणा को ऊर्जा आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर क्षेत्रीय अनुसंधान एवं परीक्षण केंद्र स्थापित करने जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अभी तक करीब 55 हजार रूफटाप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। नए वित्तीय वर्ष में करीब सवा दो लाख घरों की छतों पर रूफटाप सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है। सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना के तहत 200 करोड़ रुपये के रिवाल्विंग फंड निर्धारित किया गया है, जिसकी सहायता से गैर डिफाल्टर उपभोक्ताओं, अंत्योदय परिवारों और सरकारी कर्मचारियों को ब्याज मुक्त गैप फंडिंग प्रदान की जाएगी। पीएम कुसुम योजना के तहत 1116 सौर ऊर्जा पंप लगाए गए हैं, जिससे हरियाणा देशभर में दसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस योजना में किसानों की रुचि को देखते हुए इस साल 35 हजार नए सौर ऊर्जा पंप लगाए जाएंगे।

ढाणियों में सब्सिडी पर मिलेंगे सोलर पावर प्लांट

गांव की आबादी से तीन से पांच किलोमीटर तक की दूरी पर बसी ढाणियों में रह रहे परिवारों को एक से तीन किलोवाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट (बैटरी सहित) सब्सिडी पर दिए जाएंगे। प्रदेश में लगभग 76

लाख गैर कृषि उपभोक्ता हैं। अब तक करीब नौ लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। 67 लाख उपभोक्ताओं के लिए भी स्मार्ट मीटर की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। क्या है ग्रीन हाइड्रोजनग्रीन हाइड्रोजन नवीकरणीय ऊर्जा यथा सौर ऊर्जा या पवन ऊर्जा का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा पानी से उत्पादित एक स्वच्छ ईंधन है। इसमें कार्बन उत्सर्जन न के बराबर होता है जो इसे पारंपरिक 'ग्रे' या 'ब्लू' हाइड्रोजन के विपरीत एक पर्यावरण अनुकूल विकल्प बनाता है। यह भारी उद्योगों और परिवहन को कार्बन मुक्त करने में महत्वपूर्ण है।

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ **ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है।** सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी **वाटिका में हनुमान जी और सीता जी** की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की **कथा सबसे अलग है।** संपूर्ण श्रीरामचरितमानस **भगवान श्रीराम के गुणों** और उनके पुरुषार्थ को **दर्शाती है। सुंदर कांड** एकमात्र ऐसा अध्याय है, **जो श्रीराम के भक्त हनुमान** की विजय का कांड **है। धार्मिक शास्त्रों के** अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण **करने वाला तथा किसी** भी प्रकार की परेशानी **या संकट से आप घिरे** हुए हो तो सुंदर कांड **पाठ पढ़ने या सुनने से** यह संकट तुरंत दूर हो **जाता है। इतना ही नहीं** यह प्रभु श्रीराम के **परमभक्त श्री बजरंग बली** की विजय का कांड **होने से हम** पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने **जाते हैं, अतः** प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने **वाले मनुष्य** के जीवन से नकारात्मक शक्तियां **भाग जाती है** तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, **आत्मविश्वास** बढ़ता है तथा जीवन में **सकारात्मक** बदलाव देखने को मिलते हैं और **हमारे अंदर** सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता **है।इसके अलावा** भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के **बहुत सारे लाभ** हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ **अवश्य करना** चाहिए, क्योंकि इसका विशेष **लाभ मिलता** है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर **एक्जाम में अच्छे** अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह **के प्रतिबिंध लगाए गए हैं। देश में** बहुत से **मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश** करने **पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर** में इस तरह **के लिए जाना जाता है कि यहां** प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को **बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना** पड़ता है। **इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा** अर्चना **करना चाहता है तो उसे महिलाओं** की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर **श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता** है। इस **त्योहार में हर साल हजारों की संख्या** में पुरुष **श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के** लिए **मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया** जाता **है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी,** मेकअप और बालों में **गजरा भी लगाते है। इस** उत्सव में शामिल **होने के लिए उम्र की कोई** सीमा नहीं है। यही **नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर** में पूजा अर्चना **करने के लिए आते हैं।** ऐसा माना जाता है **कि इस मंदिर में देवी की** मूर्ति स्वयं प्रकट **हुई थी। अपनी खास परंपरा** के लिए दुनियाभर **में मशहूर इस मंदिर के ऊपर** कोई छत नहीं **हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह** के ऊपर छत या कलश नहीं **हैं। ऐसी मान्यता** है कि कुछ चरवाहों ने **महिलाओं के कपड़े** पहनकर पत्थर पर फूल **चढ़ाए थे, जिसके** बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर **का रूप दिया** गया। एक मान्यता यह भी है कि **कुछ लोग पत्थर** पर नारियल फोड़ रहे थे और **इसी दौरान पत्थर** से खून निकलने लग गया **जिसके बाद से** यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो **गई** है तो रुद्राक्ष को **उतारकर** किसी उचित **स्थान** पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में **रुद्राक्ष** पहनकर नहीं जाते **हैं।** ऐसा करने से घोर पाप **लगता** है। यह शिवजी का **अपमान** माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष **पहकर** कर मांस भक्षण करना या **शराब पीना** वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना **वर्जित है।** एक माह तक नियम का **पानल करना** चाहिए। ऐसी जगह **पहनकर** जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो **जाता है।**
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को **उतारकर** उचित स्थान पर रख देना **चाहिए।** सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरू की तुम्बाड 2 की शूटिंग

सोशल मीडिया पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई की एक खास जगह पर साथ देखा गया। दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए साथ आए है। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसे लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। जानिए, फिल्म में नवाजुद्दीन किस तरह का किरदार करेंगे और कहां पर इसकी शूटिंग हो रही है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई के मड आइलैंड में देखा गया। इस दौरान अपने फिल्म क्रू के साथ दिखाई दिए। सोहम शाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी से बातचीत करते थे। यह दोनों फिल्म 'तुम्बाड 2' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। बता दें कि 2018 में रिलीज हुई हॉरर, थ्रिलर फिल्म 'तुम्बाड़' का यह सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। नवाजुद्दीन के किरदार की जहां तक बात है तो उनके किरदार का नाम पांडुरंग होगा। फिल्म भी इमोशनल और साइकोलॉजिकल है। इसमें नवाज के किरदार में कई परतें होंगी। कहानी को लेकर भी मेकर्स का कहना है कि यह पिछली फिल्म से ज्यादा डरावनी होगी। 'तुम्बाड' की बात करें तो साल 2018 में रिलीज हुई इस डार्क फैंटेसी-हॉरर फिल्म में लालच के दुष्परिणामों को दिखाया गया था। फिल्म की कहानी 20वीं सदी की शुरुआत के एक छोटे से गांव तुम्बाड में सेट है। इसमें मुख्य भूमिका में विनायक राव और 'हस्तर' नाम का एक श्रापित देवता है। फिल्म काफी डरावनी थी और दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में हुई कमल हासन की एंट्री

'कल्कि 2' की शूटिंग को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर जानकारी आ रही है। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' की शूटिंग पूरी की है। 'कल्कि 2' में एक और अभिनेता की एंट्री होने की जानकारी सामने आई है, जो साउथ से हैं।

हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं और कमल हासन के साथ गले लगते हुए भी दिख रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार 1985 में फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ काम किया था। बिग बी ने 40 साल बाद फिर से कमल के साथ काम करने की उन्होंने खुशी जताई।

साउथ अभिनेता की हुई एंट्री

123 तेलुगु की खबर के अनुसार, दुलकर सलमान और जेडी चक्रवर्ती भी 'कल्कि 2' में नजर आएंगे। यह दोनों इन दिनों हैदराबाद में 'कल्कि 2' की शूटिंग कर रहे हैं। प्रभास बाद में इस शूटिंग में जुड़ेंगे। निर्माता जल्द ही 'कल्कि 2' को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

'कल्कि 2' के बारे में

'कल्कि 2' का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित पौराणिक साइंस फिक्शन पर आधारित है। पहले भाग में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी ने काम किया था। यह 'कल्कि' सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत थी, जो 2898 ईस्वी में काशी शहर की कहानी बताती है।

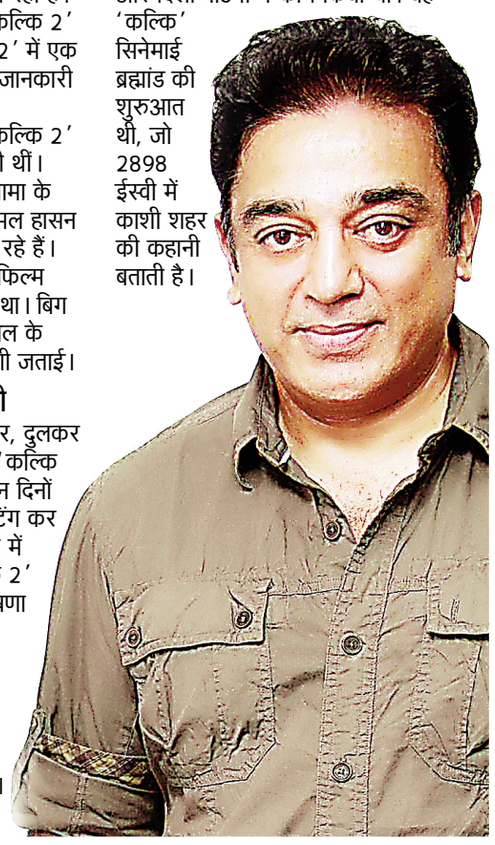

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

लुक्स को लेकर ट्रोल हुई अलाया

हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, 'दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है।'

मालिश का है कमाल

अलाया ने आगे कहा, 'अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है।'

अलाया एफ का करियर

अलाया ने फिल्म 'जवानी जानमन' से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'फ्रेडी', 'ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत' और 'यू-टर्न' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म 'श्रीकांत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।' अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

रणबीर के साथ काम करना चाहते हैं मोहित सूरी

पिछले काफी दिनों से ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणबीर कपूर 'सैयारा' फेम निर्देशक मोहित सूरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। अब खुद मोहित सूरी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रणबीर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे या नहीं।

बातचीत के दौरान मोहित सूरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान स्टार बताया। इसी दौरान मोहित ने ये भी स्पष्ट किया रणबीर कपूर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर मेरी अगली फिल्म में नहीं हैं मैं सचमुच उनके साथ काम करना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचते हैं। मैं उनसे मिलने गया था और साथ में काम करने का इरादा रखता हूं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि हम पहले से ही एक फिल्म साथ में कर रहे हैं। रणबीर और मैं एक दूसरे को जानते हैं क्योंकि वह मेरे करियर की शुरुआत से ही मुझे फॉलो कर रहे हैं।

काश मेरी फिल्म के हीरो होते रणबीर

निर्देशक ने आगे रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक हैं और इतने बड़े स्टार हैं, जो 'आवारापन' जैसी फिल्म की सराहना करते हैं। भले ही वह रिलीज के समय फ्लॉप हो गई थी। वह मुझे अक्सर कहते हैं कि यह मेरी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। आमतौर पर अभिनेता आपसे आपकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि वही आपकी सबसे अच्छी फिल्म है। जबकि रणबीर मेरी एक फ्लॉप फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। रणबीर में वो सब खूबियां हैं जो मैं अपनी फिल्म के हीरो में चाहता हूं। उनमें वो गहराई और बारीकियां हैं जो मेरी तरह की फिल्मों के लिए जरूरी हैं। फिलहाल मेरी फिल्म में रणबीर कपूर नहीं हैं। काश होते। रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' जैसी दो बड़े बजट की फिल्में हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे।

मेरे और श्रुति के बीच कोई खटास नहीं

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। अब इस पूरे मामले पर अदिवी शेष ने खुलकर बात की है।

श्रुति हासन के फिल्म छोड़ने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो यह काम करने के तरीके का फर्क था। हर एक्टर का अपना वर्किंग स्टाइल होता है और कभी कभी वह आपस में मैच नहीं करता। अगर क्लैश हो जाए तो काम करने में मजा नहीं आता और उसका असर फिल्म के फाइनल आउटपुट पर भी दिख सकता है।'

श्रुति के पास तब कई बड़ी फिल्में थीं

वह आगे बताते हैं, 'मेरा शूटिंग स्टाइल थोड़ा स्लो है। मैं जल्दी जल्दी शूट नहीं करता, बल्कि समय लेकर काम करना पसंद करता हूं। वहीं श्रुति के पास उस वक्त बड़ी फिल्मों की डेट्स थीं, जिनमें रजनीकांत सर की फिल्म भी शामिल थी। ऐसे में उनके लिए हमारी फिल्म को उतना समय देना मुश्किल हो रहा था। मुझे लगा कि मैं उन्हें ज्यादा परेशानी में डाल रहा हूं और अगर मैं अपने वर्किंग पैटर्न में बदलाव करता तो फिल्म पर असर पड़ता। इसलिए हमने आपसी समझ से अलग होने का फैसला लिया। सब कुछ अच्छे नोट पर हुआ, कोई विवाद नहीं था। मैं उन्हें हमेशा बेस्ट विश करता हूं।'

एक्ट्रेस के जाने से डर नहीं लगता, काम पर भरोसा है

एक्ट्रेस के अचानक बाहर होने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'मैं इस मामले में ज्यादा घबराता नहीं हूं। मेरे लिए फिल्म से ज्यादा अहम वह कला है जिसके पीछे हम काम कर रहे हैं। अगर हम ईमानदारी से मेहनत करें और अपने काम के साथ न्याय करें, तो बाकी चीजें अपने आप संभल जाती हैं।'

मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

अनुराग कश्यप के साथ बेहतरीन रहा अनुभव

अनुराग कश्यप के साथ काम करने के अनुभव पर अदिवी शेष कहते हैं, 'हमें एक बहुत अच्छा एक्टर और शानदार क्राफ्ट्समैन मिला। साथ ही ऐसा लगा जैसे इंडिया के बेस्ट डायलॉग राइटर हमें बोनस में मिल गए। उनकी हिंदी बहुत अच्छी है और उन्होंने जिस सादगी के साथ काम किया, वो कमाल का था। जब हम स्क्रीन पर उन्हें देखते हैं तो वो काफी सख्त और रिबेल लगते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वो बहुत ही सिंपल इंसान हैं। जब मैं पहली बार उनके घर गया और कहानी डिस्कस की, तो मैं सरप्राइज हो गया।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।